प्रेषक, **संख्या–1577 / 58–1–2022**

अनामिका सिंह,
सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

1. **समस्त मण्डलायुक्त, उ0प्र0।**
2. **समस्त जिलाधिकारी, उ0प्र0।**

बाल विकास एवं पुष्टाहार अनुभाग लखनऊः दिनांक : 21-जून, 2022

विषय–'सम्भव' (SAMbhav) अभियान, 2022 के अन्तर्गत दिशा–निर्देश के संबंध में।

महोदय / महोदया,

हमारे प्रदेश के बच्चों के बेहतर भविष्य और अधिक समृद्ध समाज के लिए पोषण अत्यन्त आवश्यक है। शिशु और बाल मृत्यु में वृद्धि का एक प्रमुख कारण मातृ एवं शिशु कुपोषण है। कुपोषण की रोकथाम में सबसे बड़ी चुनौती समाज, परिवार एवं व्यक्ति के स्तर पर पोषण सम्बन्धी मौजूदा व्यवहारों, धारणाओं एवं मिथकों में परिवर्तन लाना है। इसी उद्देश्य से पिछले वर्ष विभाग द्वारा 'सम्भव' **(SAMbhav)** अभियान एक नवाचार के रूप में प्रारम्भ किया गया था, जिसमें विशेष रूप से सीवियर एक्यूट मालन्यूट्रीशन (SAM) एवं मॉडरेट एक्यूट मालन्यूट्रीशन (MAM) से ग्रसित बच्चों का सही चिन्हांकन, उपचार, सन्दर्भन एवं समुदायिक स्तर पर उनके प्रबन्धन के साथ–साथ कुपोषण की रोकथाम हेतु सामुदायिक व्यवहार परिवर्तन पर जोर दिया गया था। इस अभियान की सफलता एवं इससे प्राप्त learnings के आधार पर वर्ष 2022 में दिनांक 01 जुलाई, 2022 से 30 सितम्बर, 2022 तक 'सम्भव' अभियान का पुनः आयोजन किये जाने का निर्णय लिया गया है। इस अभियान का विस्तृत कन्सेप्ट नोट पत्र **संलग्नक–1** के रुप में संलग्न है।

इस अभियान में कुपोषित (सैम, मैम, गम्भीर अल्प वजन एवं Low Birth Weight (LBW) बच्चों के चिन्हांकन, सन्दर्भन, उपचार एवं प्रबन्धन के साथ–साथ कुपोषण से बचाव हेतु भी सामुदायिक गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा। इस अभियान को 03 मुख्य मासिक थीम एवं साप्ताहिक थीम पर निम्न रूप से विभाजित किया गया है –

जुलाई, 2022 **स्तनपान प्रोत्साहन**			
प्रथम सप्ताह	**द्वितीय सप्ताह**	**तृतीय सप्ताह**	**चतुर्थ सप्ताह**
गर्भावस्था के आखिरी त्रैमास में स्तनपान प्रोत्साहन	जन्म के समय कम वज़न के बच्चे की देखभाल	कंगारू मदर केयर	स्तनपान तकनीक –जुड़ाव तथा स्थिति
अगस्त, 2022 **ऊपरी आहार (Complementary Feeding)**			
प्रथम सप्ताह	**द्वितीय सप्ताह**	**तृतीय सप्ताह**	**चतुर्थ सप्ताह**
सही समय पर शुरुआत	सही समय पर सही	भोजन की मात्रा एवं विविधता	बीमार बच्चे का

	प्रकार का भोजन		भोजन
सितम्बर, 2022			
पोषण माह *			
प्रथम सप्ताह	**द्वितीय सप्ताह**	**तृतीय सप्ताह**	**चतुर्थ सप्ताह**
दस्त से बचाव व प्रबंधन	साफ, सफाई व स्वच्छता का पोषण में महत्व	छोटे बच्चों में एनीमिया व अन्य सूक्ष्म पोषक तत्वों का आच्छादन	वजन सप्ताह

**भारत सरकार के पोषण माह के दिशा–निर्देशों के अनुसार इस माह की गतिविधियों में परिवर्तन हो सकता है।*

मुख्य अभियान के आयोजन के उपरान्त निम्न गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा–

1. **02 अक्टूबर, 2022**– अभियान में सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने हेतु जिलाधिकारी द्वारा बाल विकास विभाग के न्यूनतम 06 अधिकारी/फील्ड लेवल वर्कर एवं कन्वर्जन विभागों के न्यूनतम 03 अधिकारी/फील्ड लेवल वर्कर को प्रशस्ति–पत्र दिया जायेगा।
2. **दिनांक 09–22 अक्टूबर, 2022**– विभाग द्वारा बाहरी एजेन्सी (Development Partners) के माध्यम से अभियान के दौरान की गयी गतिविधियों का मूल्यांकन कराया जायेगा।
3. **दिनांक 01–15 दिसम्बर, 2022**–बाहरी एजेन्सियों द्वारा किये गये मूल्यांकन/गैप एसेसमेन्ट के आधार पर अभियान के दौरान छूटे हुए लाभार्थियों के चिन्हांकन हेतु कार्ययोजना बनाकर मॉप अप राउन्ड का आयोजन किया जायेगा।

'सम्भव' अभियान के पूर्व एवं अभियान के दौरान अपेक्षित कार्यवाही निम्नवत् है–

कार्यक्रम की अवधि	गतिविधि	अपेक्षित कार्यवाही	सहभागिता
20–25 जून, 2022	कार्य योजना निर्माण एवं प्रशिक्षण	जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति के माध्यम से जनपद, ब्लाक एवं ग्राम पंचायत स्तर पर माइक्रोप्लान तैयार कर 'संभव' अभियान की कार्य योजना का निर्माण तथा जिला व ब्लॉक स्तर एवं ग्राम पंचायत स्तर सभी सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों	'सम्भव' अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जनपद स्तर के माननीय जनप्रतिनिधियों/वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के नेतृत्व में अभियान का शुभारम्भ किया जायेगा। राज्य एवं जनपद स्तर पर सभी सम्बन्धित विभाग जून के अन्तिम सप्ताह में विभागीय अधिकारियों को 'संभव' अभियान के सम्बन्ध में अभिमुखीकरण करेंगे। प्रत्येक विभाग जनपद स्तर पर कार्ययोजना बनाकर जिला पोषण समिति में प्रस्तुत करेंगे। सभी

		का प्रशिक्षण।	Development Partners के प्रतिनिधियों यथा– यू0पी0टी0एस0य0, यूनिसेफ, न्यूट्रिशन इंटरनेशनल, पीरामल फाउंडेशन आदि द्वारा कार्य– योजना बनाने तथा जिला व ब्लॉक स्तर पर पोषण समिति की बैठक आयोजित करने में सक्रिय सहयोग प्रदान किया जाएगा।
25–30 जून, 2022	वजन सप्ताह का आयोजन	अभियान के पूर्व एक बेसलाइन डेटा प्राप्त करने हेतु सभी आंगनवाड़ी केन्द्रों पर वजन सप्ताह का आयोजन किया जायेगा, जिसमें 0–5 वर्ष के बच्चों का वजन व लम्बाई/ऊँचाई का माप कर उसकी फीडिंग पोषण ट्रेकर में की जायेगी।	सभी Development Partners के प्रतिनिधि वजन सप्ताह में आंगनबाड़ी केन्द्र पर उपस्थित रहकर आंगनबाड़ी कार्यकत्री का मोबिलाईजेशन एवं बच्चों की लम्बाई/ऊँचाई की सही माप में सहयोग करेंगे।
1 जुलाई से 30 सितम्बर, 2022	'सम्भव' अभियान का कियान्वयन	मसिक एवं साप्ताहिक थीम के आधार पर गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा।	आंगनबाड़ी कार्यकत्री द्वारा वजन सप्ताह में चिन्हित कुपोषित बच्चों को सूचीबद्ध कर गृह भ्रमण, मासिक स्वास्थ्य जॉच, चिकित्सकीय प्रबन्धन हेतु सम्वर्द्धन आदि गतिविधियां की जायेंगी। सम्बन्धित विभागों द्वारा कुपोषण की रोकथाम हेतु व्यवहार परिवर्तन सम्बन्धी गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा।
25–30 सितम्बर, 2022	वजन सप्ताह का आयोजन	अभियान से पूर्व वजन सप्ताह के माध्यम से प्राप्त बेसलाइन के आधार पर पुनः वजन सप्ताह का आयोजन कर सुधार का आंकलन किया जायेगा।	सभी Development Partners के प्रतिनिधि वजन सप्ताह में आंगनबाड़ी केन्द्र पर उपस्थित रहकर आंगनबाड़ी कार्यकत्री का मोबिलाईजेशन एवं बच्चों की लम्बाई/ऊँचाई की सही माप में सहयोग करेंगे।

'संभव' कार्यक्रम की रणनीति

1. आंगनबाड़ी कार्यकत्री की भूमिका–

- वजन सप्ताह में चिन्हांकन के उपरान्त सैम, मैम व गंभीर अल्पवजन की नामवार सूची गांव की आशा, ए0एन0एम0, ग्राम प्रधान एवं सम्बन्धित कन्वर्जेन्स विभागों के साथ साझा करना।

- आंगनबाडी कार्यकत्री, ग्राम प्रधान व गांव के अन्य सक्रिय सदस्यों जैसे–आशा, स्वयं सहायता समूह व शिक्षक के साथ मिलकर जुलाई से सितम्बर तक की कार्ययोजना बनायेंगी। कार्ययोजना में पोषण उत्सव, पोषण चौपाल, पोषण पंचायत जैसी गतिविधियों को सम्मिलित करेंगी।
- आंगनवाड़ी कार्यकत्री द्वारा कुपोषित बच्चों के यहाँ किये जाने वाले साप्ताहिक गृह भ्रमण के दौरान की जाने वाली गतिविधियों की जानकारी के लिए गृह भ्रमण चेकलिस्ट संलग्न है **(संलग्नक–2)**।
- नवजात शिशु के जन्म के प्रथम माह में चार साप्ताहिक गृह भ्रमण करते हुये आंगनबाड़ी कार्यकत्री उनका वजन लेंगी। इनमें कुछ भ्रमण आशा के साथ संयुक्त रूप से किया जाएगा। यदि किसी बच्चे का वजन कम है अथवा गिरता हुआ प्रतीत होता है, तो तुरंत स्तनपान संबंधी व्यवहार की विस्तृत जानकारी देंगी व आवश्यकतानुसार कार्यवाही करेंगी।
- सभी जन्म के समय कम वजन, सैम, मैम व गंभीर अल्पवजन के बच्चों के यहां साप्ताहिक गृह भ्रमण करते हुये उनकी वर्तमान स्थिति, भूख की जानकारी तथा स्वास्थ्य स्थिति का आंकलन करेंगी। प्रत्येक दशा में इन बच्चों को माह में वजन व लम्बाई/ऊँचाई लेना व पोषण ट्रैकर पर दर्ज करना।
- सभी सैम व गंभीर अल्पवजन बच्चों को स्वास्थ्य जॉच हेतु ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस (वी.एच.एस.एन.डी.) पर लेकर आयेंगी। जो बच्चे गंभीर होंगे, उन्हे पोषण पुनर्वास केन्द्र अथवा ब्लॉक चिकित्सा ईकाई पर भेजना होगा। पोषण पुनर्वास केन्द्र से डिस्चार्ज हुये बच्चों का आशा के माध्यम से सतत अनुश्रवण करेंगी, जिससे कि वह पूर्ण रूप से स्वस्थ हो सके।
- सितम्बर माह में वजन सप्ताह का आयोजन करते हुये एक बार पुनः सभी 0–5 वर्ष के बच्चों का वजन तथा लम्बाई/ऊँचाई लिया जायेगा तथा पोषण श्रेणी का पुनः निर्धारण किया जायेगा।
- स्वयं सहायता समूह अथवा अन्य माताओं के साथ मिलकर रेसिपी प्रतियोगिता का आयोजन करेंगी तथा पोषाहार से ऊपरी आहार बनाने की विधि को बतायेंगी व दर्शायेंगी। प्रत्येक कान्ट्रैक्ट पर बच्चे के आहार संबंधी व्यवहार व वृद्वि निगरानी के संबंध को समझायेंगी, जिससे कि परिवार को वृद्धि निगरानी की महत्ता के बारे में पता चल सके।

2 **मुख्य सेविका की भूमिका**–

प्रत्येक माह के अंतिम तीन दिन में परियोजना स्तर पर सेक्टर लेवल बैठक का आयोजन करते हुये मुख्य सेविका द्वारा अभियान के दौरान किये गये कार्य की समीक्षा की जायेगी तथा मासिक रिपोर्ट का संकलन भी किया जायेगा।

3 **जन–जागरूकता के दो वृहद अभियान**–जुलाई–सितम्बर तथा दिसम्बर में वृहद डोर–टू–डोर जागरूकता अभियान चलाते हुये कुपोषित बच्चों के घरों में खान–पान, स्वास्थ्य जॉच व उपचार, साफ–सफाई संबंधी व्यवहार की जानकारी, पुरुषों की सहभागिता

तथा गांव में सुपोषण को एक उत्सव के रूप में आयोजित करने की गतिविधियॉ आयोजित की जायेंगी।

4 **अन्तर्विभागीय समन्वय मंच**–विभागीय समन्वय से कुपोषित बच्चों को एक समय, एक साथ सभी सेवायें प्राप्त होंगी, जिससे कुपोषण से रोकथाम में भी सहायता मिलेगी। साथ ही जब सभी विभाग अपने–अपने संसाधनों को जोड़ते हुये कार्य करेंगे, तो ऐसी स्थिति में सभी भौगोलिक क्षेत्रों का आच्छादन, सुदूर क्षेत्रों का कवरेज भी ब

वर्तमान में पोषण अभियान के अन्तर्गत कन्वर्जेन्स कमिटी गठित है, जिसमें स्वास्थ्य, ग्राम्य विकास, पंचायती राज, खाद्य एवं रसद तथा शिक्षा विभाग सम्मिलित हैं। सामाजिक सुरक्षा व कुछ आवश्यक हस्तक्षेपों के परिप्रेक्ष्य में यह आवश्यक है कि 'सम्भव' की कार्य– योजना बनाते समय उपरोक्त विभागों के साथ–साथ पशुपालन, उद्यान, आयुष, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग तथा स्वच्छ भारत मिशन के प्रतिनिधि को भी आमंत्रित किया जाये। विभागीय कार्ययोजना बनाते समय यह ध्यान रखा जाय कि ऐसे विभागीय कार्य, जो कुपोषण की रोकथाम में सहयोग देते हैं, उन्हीं पर फोकस रखा जाये।

विभिन्न सहयोगी विभागों की भूमिका

स्वास्थ्य विभाग

- सैम/मैम एवं गम्भीर अल्पवजन से ग्रसित बच्चों की ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस के माध्यम से स्वास्थ्य जांच एवं आवश्यकतानुसार उपकेंद्र अथवा चिकित्सा इकाई (पोषण पुनर्वास केंद्र) पर चिकित्सीय प्रबंधन एवं मासिक फॉलो अप सुनिश्चित करना।
- जन्म के समय कम वज़न–लो बर्थ वेट (2.5 कि.ग्रा. से कम वज़न) के नवजात शिशुओं की सूची आशा द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकत्री के साथ साझा करना।
- ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समिति के अनटाइड फण्ड का आवश्यकतानुसार प्रयोग करना।
- गर्भवती महिलाओं के लिए प्रसव पूर्व जांच एवं आयरन फोलिक एसिड, कैल्शियम एवं डीवॉर्मिंग की गोलियों का वितरण एवं सेवन सुनिश्चित करना।
- ट्रिपल–ए (ए.एन.एम, आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं आशा) द्वारा पोषण पर जन–जागरूकता एवं पोषण साक्षरता को बढ़ाने के लिए विभिन्न सामुदायिक गतिविधियों पर सहयोग करना।

पंचायती राज विभाग

- ग्राम प्रधान, आंगनबाड़ी कार्यकत्री, आशा व गांव के अन्य सक्रिय सदस्यों जैसे–रोजगार सेवक, पंचायत सचिव, स्वयं सहायता समूह व शिक्षक के साथ मिलकर ग्राम पंचायत के अन्तर्गत आने वाले सभी गांव की जुलाई से सितम्बर तक की कार्ययोजना बनवाना।
- ग्राम पंचायत डेवलेपमेन्ट प्लान के अंतर्गत जन–जागरूकता अथवा संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करना।

- पोषण पर जन–जागरूकता एवं पोषण साक्षरता को बढ़ाने के लिए विभिन्न सामुदायिक गतिविधियों जैसे–पोषण चौपाल, पोषण पंचायत एवं पोषण उत्सव का आयोजन।
- मोटे अनाज के फायदे व प्रयोग हेतु प्रोत्साहन गतिविधियां एवं आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोषण वाटिका निर्माण कराना।
- 'सम्भव' अभियान की गतिविधियों का अनुश्रवण।

ग्राम्य विकास विभाग

1. **मनरेगा**

- जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूची के अनुसार कुपोषित बच्चों के परिवार को जॉब कार्ड की उपलब्धता सुनिश्चित कराना।
- कुपोषित बच्चों के परिवार के कम–से–कम एक सदस्य को रोजगार प्राप्त होने का सत्यापन करना।

2. **उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (यू0पी0एस0आर0एल0एम0)**

- ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस दिवसों (वी0एच0एस0एन0डी0) के संचालन के लिए स्वयं सहायता समूह को जोड़ना, जिससे वी0एच0एस0एन0डी0 को और अधिक लाभार्थीपरक मंच के रूप में स्थापित किया जा सके।
- स्वयं सहायता समूहों की मासिक बैठकों में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा प्रतिभाग किया जाये।

शिक्षा विभाग

- प्रत्येक माह कम–से–कम एक बार स्कूलों में पोषण परामर्श सत्रों का आयोजन करें।
- स्कूल जाने वाले छात्र–छात्राओं को साप्ताहिक आयरन व छमाही डीवॉर्मिंग की गोली खिलायें।
- पंचायत द्वारा आयोजित पोषण पर जन–जागरूकता एवं पोषण साक्षरता को बढ़ाने के लिए विभिन्न सामुदायिक गतिविधियों पर सहयोग करना।

खाद्य एवं रसद विभाग

- बाल विकास परियोजना अधिकारी (सी0डी0पी0ओ0) द्वारा चिन्हित कुपोषित बच्चों के परिवारों की उपलब्ध करायी गयी सूची के अनुसार पात्रता के आधार पर राशन कार्ड उपलब्ध कराना सुनिश्चित करना।
- चिन्हित परिवारों को प्रत्येक माह राशन उपलब्ध कराना सुनिश्चित करना।

पशुपालन विभाग

- सैम, मैम व गंभीर अल्पवजन बच्चों के परिवारों को आवश्यकतानुसार गाय उपलब्ध कराना, पोल्ट्री आदि से जोडना, जिससे उनको दूध व प्रोटीनयुक्त खाद्य पदार्थ आसानी से प्राप्त हो सके।

उद्यान विभाग

- पोषण वाटिका की स्थापना हेतु फलदार एवं सहजन के पौधे, बीज आदि की व्यवस्था करना।

आयुष विभाग

- एनीमिया से बचाव हेतु औषधीय पौधों के बारे में जागरूकता गतिविधियॉं एवं पोषण वाटिका की स्थापना में सहयोग करना।

नोट– उपर्युक्त गतिविधियॉं भारत सरकार के पोषण अभियान के अंतर्गत 'कन्वर्जेन्स एक्शन प्लान' के अंदर विभिन्न विभागों के कार्य एवं दायित्व हैं। 'सम्भव' अभियान के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा उपर्युक्त गतिविधियों के अतिरिक्त पोषण सुधार एवं पोषण की जन जागरूकता बढ़ाने के लिए भी योगदान देना अपेक्षित है।

'सम्भव' अभियान की जागरूकता गतिविधियॉं

- **मासिक थीम आधारित 'पोषण पाठशाला'** का आयोजन–'सम्भव' अभियान की मासिक थीम पर विषय–विशेषज्ञों द्वारा आवश्यक परामर्श हेतु पोषण पाठशाला का आयोजन एन0आई0सी0 के माध्यम से वीडियो कान्फ्रेन्सिग द्वारा किया जाएगा, जिससे वेबकास्ट के माध्यम से लाभार्थी एवं अभिभावक, आंगनबाड़ी केन्द्रों पर उपस्थित होकर पोषण सम्बन्धी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- **अगस्त माह में पोषण चौपाल का आयोजन**–इस चौपाल में कुपोषित बच्चों के माता–पिता को बुलाते हुये उनसे संसाधनों की आवश्यकता के बारे में पूछा जायेगा यथा–पोषण वाटिका, शौचालय, पशुपालन, राशन कार्ड, जॉब कार्ड आदि पर चर्चा की जायेगी। विभिन्न कनवर्जेस विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर यथासंभव आवश्यक सेवाएं/सहायता प्रदान की जायेंगी।
- **सितम्बर माह में सुपोषण दिवस का पोषण उत्सव के रूप में आयोजन**– आंगनबाडी कार्यकत्री द्वारा लाभार्थियों को पोषाहार वितरण के समय आंगनबाड़ी केन्द्र पर ग्राम प्रधान के साथ मिलकर अपने गांव में जन्म के समय कम वजन, सैम व गंभीर अल्पवजन बच्चों व कुपोषित सभी बच्चों के परिवारों विशेषकर पिता के साथ पोषण उत्सव मनाया जायेगा। बच्चों के पोषण को उनके स्वास्थ्य व शिक्षा से जोड़ते हुये बच्चों के अभिभावकों को विशेष रूप से शिक्षित किया जाएगा।
- **पोषण पंचायत का आयोजन** –इसमें ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता समिति के सदस्यों तथा समुदाय के चयनित लोगों को आमंत्रित करते हुये उन्हे पोषण देखभाल, साफ–सफाई संबंधी व्यवहार तथा कुपोषण के कारकों पर चर्चा की जायेगी। बैठक में ग्राम प्रधान व समिति के सदस्यों के साथ–साथ, स्कूल के शिक्षक/शिक्षिका, आशा व ए0एन0एम0 को भी आंमत्रित किया जा सकता है। बैठक में कुपोषण का बच्चों की सीखने की क्षमता, स्वास्थ्य पर प्रभाव आदि विषयों पर चर्चा की जायेगी। सितम्बर माह में पोषण माह की थीम पर चर्चा की जायेगी।
- **मासिक थीम आधारित गृह भ्रमण**–जैसे जुलाई माह में सभी आखिरी त्रैमास की गर्भवती महिलाओं व 0–6 माह के बच्चों के घर आशा के साथ संयुक्त रूप से भ्रमण किया जायेगा तथा माह के विभिन्न साप्ताहिक थीम जैसे–स्तनपान की सही समय पर शुरूआत, कम वजन के बच्चों की देखभाल, कंगारू मदर केयर, आदि पर चर्चा

की जायेगी। इसी प्रकार अगस्त माह में 6 माह से 2 वर्ष के बच्चों के घर आंगनबाड़ी कार्यकत्री द्वारा भ्रमण किया जायेगा तथा उनके स्वास्थ्य स्तर की जानकारी, ऊपरी आहार व स्तनपान संबंधी जानकारी, पोषण स्तर का आंकलन करते हुये आवश्यकतानुसार परामर्श दिया जायेगा।

अनुश्रवण तथा रिपोर्टिंग

- अभियान से संबंधित रिपोर्टिंग के दो स्रोत होंगे–**पोषण ट्रैकर** तथा **मासिक एम0पी0आर0।** पोषण स्तर की जानकारी पोषण ट्रैकर से ली जायेगी तथा संदर्भन, गृह भ्रमण आदि की जानकारी एम0पी0आर0 से ली जायेगी। **सभी जनपदों के लिए आवश्यक है कि वह अपनी एम0पी0आर व पोषण ट्रैकर की सूचना माह मई तक अद्यतन कर लें,** क्योंकि जून के आंकडों को बेसलाइन माना जायेगा।
- वजन सप्ताह से संबंधित सभी सूचना पोषण ट्रैकर से लेते हुये जून माह के आखिरी कार्य दिवस को बेसलाइन माना जायेगा। **एम0पी0आर0 की सूचना प्रत्येक दशा में अगली माह की 5 तारीख तक भेजा जाना अनिवार्य होगा।**
- मुख्य सेविकाओं द्वारा अपने सेक्टर में कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा किये गये कार्य की पोषण ट्रैकर तथा एम0पी0आर0 में प्रविष्टि दर्ज कराना सुनिश्चित किया जायेगा।
- प्रत्येक माह के अंतिम तीन कार्य दिवसों में मुख्य सेविका द्वारा अपने सेक्टर में कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की बैठक का आयोजन कर, उस माह में की गयी अभियान सम्बन्धित सभी गतिविधियों जैसे–कुपोषित बच्चों के चिन्हांकन की स्थिति, गृह भ्रमण व दी गई स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति, संदर्भन, पोषण श्रेणी में प्रगति, पोषण ट्रैकर में अंकन तथा अन्य विभागों द्वारा आयोजित गतिविधियों आदि की समीक्षा कर रिपोर्टिंग सुनिश्चित की जायेगी।
- प्रत्येक माह के अन्त में बाल विकास परियोजना अधिकारी द्वारा मुख्य सेविका की बैठक आयोजित कर अभियान की प्रगति तथा रिपोर्टिंग की समीक्षा की जायेगी।

'सम्भव' अभियान के दौरान किए गए कार्यों की प्रत्येक माह की प्रगति की समीक्षा जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित जिला पोषण समिति की बैठक में **संलग्नक–3** पर संलग्न प्रारूप पर की जाएगी।

अतः इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि कृपया अन्तर्विभागीय समन्वय सुनिश्चित करते हुए 'सम्भव' (SAMbhav) अभियान की विस्तृत कार्ययोजना बनाकर समयान्तर्गत प्रभावी कियान्वयन सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

सलग्नकः यथोक्त।

भवदीया

(अनामिका सिंह)

सचिव।

पृष्ठांकन–1577(1)/58–1–22 तद्दिनांकित

प्रतिलिपि–निम्नलिखित को सूचनार्थ व आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, पंचायती राज, ग्राम्य विकास, बेसिक शिक्षा, खाद्य एवं रसद, पशुपालन तथा उद्यान विभाग, उ0प्र0 शासन।
2. मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
3. निदेशक, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
4. महानिदेशक, स्कूल शिक्षा, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
5. निदेशक, पंचायती राज, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
6. निदेशक, राज्य पोषण मिशन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
7. महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें/परिवार कल्याण, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
8. समस्त मुख्य चिकित्साधिकारी, उत्तर प्रदेश।
9. समस्त जिला कार्यक्रम अधिकारी/प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी, उत्तर प्रदेश।
10. सभी विकासशील संस्थाओं के प्रतिनिधि–यू0पी0टी0एस0यू0, यूनिसेफ, न्यूट्रिशन इंटरनेशनल पीरामल फाउंडेशन व विश्व बैंक को इस आशय के साथ कि वे विभागीय गतिविधियों में तकनीकी सहयोग प्रदान करें तथा कृत कार्यवाही से इस विभाग को प्रत्येक माह अवगत करायें।

सलग्नकः यथोक्त।

आज्ञा से,

Signed by अनामिका सिंह
Date: 22-06-2022 12:09:10
Reason: Approved

(अनामिका सिंह)
सचिव।

संलग्नक–1

संभव अभियान का कन्सेप्ट नोट

कुपोषण की रोकथाम में सबसे बड़ी चुनौती है – समाज, परिवार एवं व्यक्ति के स्तर पर पोषण से संबंधित मौजूदा व्यवहारों, धारणाओं एवं मिथकों में परिवर्तन लाना। इस परिवर्तन हेतु एक प्रभावी व्यवहार परिवर्तन कार्ययोजना जनपद स्तर पर आवश्यक है। प्रदेश सरकार ने 2021 में बच्चों में व्याप्त गंभीर कुपोषण पर प्रहार करने हेतु **"संभव अभियान– पोषण संवर्धन की ओर, एक कदम"** चलाया गया था।इस अभियान का मुख्य उद्देश्य कुपोषित बच्चों के परिवारों को बच्चें की देखभाल के साथ–साथ "Nutrition literacy"की दिशा में भी लेकर जाना है। यह अभियान बाल विकास विभाग की छः माह की विभागीय प्राथमिकताओं में से एक है।

प्रायः कुपोषण की व्यापकता गर्मी/बरसात के मौसम में अधिक होती है क्योंकि इस समय भोजन की कमी, संक्रमण जैसे दस्त आदि से भी बच्चे अधिक ग्रसित होते हैं। इसी के दृष्टिगत संभव अभियान का पहला पहला चरण तीन माह का जुलाई से सितम्बर माह के मध्य होगा तथा दूसरा चरण कैच अप राउन्ड के रूप में दिसम्बर माह में होगा।

कुपोषण – कारण, प्रकार व प्रबन्धन

कारण–बच्चों में कुपोषण प्रायः मातृ कुपोषण, जन्म के समय कम वजन, खाद्यान्न की कमी अथवा जागरूकता के अभाव में सही और पोषक तत्वों से युक्त भोजन का अभाव, लम्बी बीमारी जैसे कि दस्त, निमोनिया, टी0बी, घरेलू व्यवहार में त्रुटियां जैसे कि स्तनपान ना कराना, 6 माह से पूर्व उपरी दूध पानी आदि देना, उपरी आहार में देरी, देर से और बहुत कम मात्रा में उपरी आहार खिलाना अथवा स्वच्छता की कमी से हो सकता है।

प्रकार – सामान्यतः कुपोषण के तीन प्रकार होते हैं– अल्पवजन (कम वजन), स्टंटिंग (सामान्य बच्चे के सापेक्ष लम्बाई अथवा उचाई का कम होना) तथा वेस्टिंग (तीव्र कुपोषण जिसमें बच्चा अत्यन्त दुबला दिखता है, शरीर की मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं तथा वसा भी गायब हो जाती है)। प्रत्येक प्रकार में बच्चे सामान्य, मध्यम अथवा गंभीर श्रेणी में हो सकते है।

संभव अभियान के अन्तर्गत कुपोषण के निम्न श्रेणी पर अधिक फोकस किया जाना है–

- जन्म के समय कम वजन के बच्चे (Low Birth Weight)– यदि बच्चे का जन्म के समय वजन 2.5 किलो से कम है तो उसके पहले छः में ही कुपोषित होने की संभावना बढ़ जाती है। जन्म के पहले छः महीनों में वजन व लम्बाई की गति सबसे तीव्र होती है।
- सैम (Severe acute malnutrition) – यह वेस्टिंग का एक प्रकार है और इसका माप लम्बाई/उचाई के सापेक्ष वजन लेने से होता है। यह कुपोषण की **अत्यन्त गंभीर** श्रेणी है।
- मैम (Moderate acute malnutrition)– यह भी वेस्टिंग का एक प्रकार है और इसका माप लम्बाई/उचाई के सापेक्ष वजन लेने से होता है। यह कुपोषण की गंभीर श्रेणी है।

- गंभीर अल्प वजन (Severe underweight)– यह अल्पवजन का एक प्रकार हैइसका माप आयु के सापेक्ष वजन लेने से होता है। यह भी कुपोषण की गंभीर श्रेणी है।

प्रबन्धन–सभी कुपोषित बच्चों को गहन देखभाल की आवश्यकता होती है जिससे कि वह इससे बाहर निकल सकें। जन्म के समय कम वजन, मैम व गंभीर अल्पवजन बच्चों को स्वास्थ्य जांच, नियमित वजन व लम्बाई/उंचाई की जांच व गृह आधारित देखभाल आवश्यक है। सैम बच्चों को स्वास्थ्य जांच व गृह आधारित देखभाल के साथ –साथ चिकित्सीय परामर्श व दवाइयां भी मिलना चाहिये। इसके अतिरिक्त छः माह से उपर सभी कुपोषित बच्चों को अतिरिक्त उर्जायुक्त आहार दिया जाना चाहिये जिससे कि कैलोरी तथा प्रोटीन प्राप्त हो सके। साथ में वृद्वि निगरानी, गृह भ्रमण तथा सघन व सतत् परामर्श भी प्राप्त होना चाहिये।

2145171/2022/ -2

संलग्नक–3

जिला पोशण समिति द्वारा समीक्षा हेतु प्रारूप		माह–		
क्र.सं.	सूचक	लक्ष्य	भौतिक प्रगति	प्रतिशत
1 बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग				
1.1	कुल सैम से ग्रसित बच्चों की संख्या			
1.2	कुल मैम से ग्रसित बच्चों की संख्या			
1.3	कुल गंभीर अल्पवजन से ग्रसित बच्चों की संख्या			
1.4	सैम से ग्रसित बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्र संदर्भित किया गया			
1.5	सैम/मैम एवं गंभीर अल्पवजन से ग्रसित बच्चे जिनका उपकेंद्र पर चिकित्सीय जांच कराई गयी की संख्या			
1.6	सैम/मैम श्रेणी से सामान्य हुए कुल बच्चों की संख्या			
1.7	चिन्हित सैम/मैम, गंभीर अल्पवजन बच्चों के सापेक्ष विगत माह में आंगनवाड़ी कार्यकत्री द्वारा पूर्ण किये गये चार गृह भ्रमण			
1.8	जन्म के समय कम वज़न के नवजात शिशुओं जिनके यहाँ जन्म के प्रथम माह में आंगनवाड़ी कार्यकत्री द्वारा चार साप्ताहिक गृह भ्रमण किये गए की संख्या			
1.9	कितनी सामुदायिक गतिविधियों (अन्नप्राशन, गोदभराई, सुपोषण दिवस) का आयोजन किया गया			
1.10	कुल आंगनवाड़ी केंद्र जहाँ पोषण वाटिका स्थापित की गयी			
2 स्वास्थ्य विभाग				
2.1	जन्म के समय कम वज़न के नवजात शिशुओं की संख्या			
2.2	सैम बच्चों की संख्या जिनका सामुदायिक स्तर पर (वी.एच.एस. एन.डी. / स्वास्थ्य उपकेंद्र / हेल्थ वैलनेस सेंटर) चिकित्सीय प्रबंधन किया गया			
2.3	सैम बच्चों की संख्या जिनका पोषण पुनर्वास केंद्र पर चिकित्सीय प्रबंधन किया गया			
3 ग्राम्य विकास विभाग				
3.1	कितने कुपोषित बच्चों के परिवार को जॉब कार्ड वितरित किया गया की संख्या			
4 खाद्य रसद विभाग				
4.1	कितने कुपोषित बच्चों के परिवार को राशन कार्ड वितरित किया गया की संख्या			
5 पंचायती राज विभाग				
5.1	ग्राम पंचायत जहाँ पोषण पंचायत / पोषण चौपाल/ पोषण उत्सव आयोजित किये गए की संख्या			
6 शिक्षा विभाग				
6.1	स्कूलों में जिन छात्र–छात्राओं को माह के दौरान चार आयरन की गोली वितरित की गयी की संख्या			
6.2	स्कूलों में आयोजित पोषण परामर्श सत्रों की संख्या			
7 पशुपालन विभाग				
7.1	कितने कुपोषित बच्चों के परिवार को पशुपालन विभाग द्वारा दुधारू गाय / पोल्ट्री आदि सेवाओं से लाभान्वित किया गया			

संभव

संलग्नक–2

आंगनवाड़ी कार्यकत्री हेतु गृह भ्रमण चेकलिस्ट

किसके यहाँ – सभी सैम / मैम एवं गंभीर अल्पवजन से ग्रसित बच्चों

कब – प्रत्येक सप्ताह में कम से कम एक बार

गृह भ्रमण का उद्देश्य –

- बच्चे की स्वास्थ्य, उपचार एवं पोषण सम्बंधित जानकारी लेना
- बच्चे के खान–पान एवं भोजन का आंकलन करना,
- बच्चे के खान पान सम्बंधित चुनौतियों के लिए उपयुक्त सलाह देना एवं प्रोत्साहित करना
- आवश्यकतानुसार चिकित्सा इकाई पर संदर्भन

गृह भ्रमण के लिए आवश्यक सहायक सामग्री – सैम / मैम हैन्डआउट, बच्चे का रिकॉर्ड, मोबाइल (पोषण ट्रैकर), आई0ई0सी0 (परामर्श वीडियो/ आई0एल0ए0 टेक अवे / पिलपचार्ट / मातृ शिशु सुरक्षा कार्ड), 250 मि0ली0 की कटोरी, चमच्च, रेसिपी एवं डाइट चार्ट

गृह भ्रमण से समय ध्यान रखें –

- ✓ परिवारजन का अभिवादन करें और भ्रमण का उद्देश्य बताएं ।
- ✓ गृह भ्रमण ऐसे समय करें जब माँ अपने दैनिक कार्य समाप्त कर चुकी हो और पर्याप्त समय दे सकें।
- ✓ गृह भ्रमण के समय बच्चे की माँ, पिता एवं अन्य परिवारजन को शामिल करें।

1 खतरे के लक्षण की जांच

- बिमारी की जानकारी एवं जांच – पिछले सप्ताह से अभी तक किसी प्रकार के खतरों के लक्षणों की जानकारी लें – उल्टी, दस्त, सांस लेने में तकलीफ होना, भूख में कोई सुधार ना होना, पैरों में सूजन, बुखार, दौरा पड़ना एवं अन्य कोई लक्षण
- स्वास्थ्य विभाग से सैम के उपचार के लिए मिली दवाओं के सेवन की जानकारी ले
- समाधान – किसी प्रकार के खतरे के लक्षण दिखने पर तुरंत होने पर स्वास्थ्य उपकेंद्र / नज़दीकी स्वास्थ्य केंद्र पर संदर्भित करें

2 पोषण प्रबंधन – सुनो, समझों, समाधान करो

सुनो –

- बच्चे की भूख की जानकारी ले – पहले से बढ़ी / घटी / कोई बदलाव नहीं
- पिछले 24 घंटे (पिछले दिन की सुबह से लेकर रात तक) में खिलाये गए आहार की जानकारी लें – क्या और कितना
- उस दिन बने भोजन के बारे में पूछें /मंगा कर देखे

समझों –

- प्राप्त जानकारी के अनुसार बच्चे के खान–पान एवं भोजन का आंकलन करें एवं समस्या की पहचान करें।

(समस्या – भूख कम लगना, किसी प्रकार की खाद्य समूह की कमी, कम मात्रा, कम बार, भोजन का गाढ़ापन आदि)

समाधान –

- स्वास्थ्य एवं पोषण में सुधार एवं खान पान परामर्श अनुसार – बधाई दे एवं आहार को चालू रखने की सलाह दें।
- खान पान में समस्या – समस्या के अनुसार आई0इ0सी0 का इस्तेमाल करते हुये उपयुक्त परामर्श दें एवं प्रत्साहित करें।
- दैनिक आहार की पौष्टिकता बढ़ाने के लिए स्थानीय एवं कम मूल्य के खाद्य पदार्थों की जानकारी दें – (मूंगफली / सोयाबीन बड़ी का चुरा, हरी पत्तेदार सब्जियां, मौसमी फल, अंडा/दूध, ऊपर से एक चमच्च तेल/घी)

गृह भ्रमण के समापन के लिए ध्यान रखने वाले बिन्दु : –

- परामर्श के मुख्य बिन्दुओं को दोहराएं।
- अभिभावकों को केंद्र पर आयोजित अगले पाक्षिक सत्र (दिनांक) में आने के लिए प्रेरित करें ।
- अगले सप्ताह पुनः गृह भ्रमण में आने के बारे में जानकारी दें और किसी प्रकार की समस्या आने पर सूचित करने के लिए बतायें।